PAPER-III
POPULATION STUDIES

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) __________________________
   (Name) ____________________________
2. (Signature) __________________________
   (Name) ____________________________

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No.________________________________

(In words)

D 1 5 1 0

Time : 2 $^1/_2$ hours] [Maximum Marks : **200**

Number of Pages in this Booklet : **32** Number of Questions in this Booklet : **19**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answer to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुए रिक्त स्थान पर ही लिखिये ।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है ।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे ।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
8. केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।
9. किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।

POPULATION STUDIES

जनसंख्या अध्ययन

PAPER – III

प्रश्नपत्र – III

Note : This paper is of **two hundred (200)** marks containing **four (4)** sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र **दो सौ** (200) अंकों का है एवं इसमें **चार** (4) खंड हैं । अभ्यर्थियों को इनमें समाहित प्रश्नों के उत्तर अलग से दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है ।

SECTION – I
खंड – I

Note : This section consists of **two** essay type questions of **twenty (20)** marks each, to be answered in about **five hundred (500)** words each. **(2 × 20 = 40 marks)**

नोट : इस खंड में **बीस-बीस (20)** अंकों के **दो** निबन्धात्मक प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **पाँच सौ (500)** शब्दों में अपेक्षित है । **(2 × 20 = 40 अंक)**

1. Discuss various methods for measuring internal migration along with their merits and demerits.
आन्तरिक प्रवसन के विभिन्न मापों की व्याख्या कीजिए और उनके गुण तथा अवगुणों की विवेचना कीजिए ।

OR / अथवा

Write an essay on Human Ecological organisations and their inter-se relations.
मानव पारिस्थितिकी संगठनों और उनके पारस्परिक सम्बन्धों पर निबन्ध लिखिए ।

OR / अथवा

Describe how environmental degradation affects different dimensions of quality of life.
पर्यावरणिक निम्नीकरण जीवन की गुणवत्ता के विभिन्न पक्षों को किस प्रकार प्रभावित करता है ? इसका वर्णन कीजिए ।

OR / अथवा

Discuss evolution of the family welfare programme in India.
भारत में परिवार कल्याण कार्यक्रम के क्रमिक विकास की व्याख्या कीजिए ।

2. What do you mean by standardization ? How standardised death rate is superior over the crude death rate ? Give methods for computation of standardized death rate.
मानकीकरण से क्या अभिप्राय है ? असंशोधित मृत्यु दर की अपेक्षा मानक मृत्यु दर किस प्रकार बेहतर है ? मानक मृत्यु दर की अभिकलन विधियों को लिखिए ।

OR / अथवा

Bring out the impact of human migrations on economic organisations of space in developed and developing countries.
मानव प्रवसन का विकसित और विकासशील देशों के प्रदेशों में आर्थिक संगठनों पर पड़ने वाले प्रभाव को स्पष्ट कीजिए ।

OR / अथवा

'Is population growth an obstacle to economic development ?' Substantiate your answer with suitable examples and data support in Indian context.
'क्या जनसंख्या वृद्धि आर्थिक विकास में बाधा है ?' भारत के संदर्भ में अपने उत्तर को सोदाहरणों सहित पुष्ट कीजिए ।

OR / अथवा

Discuss various services provided under the reproductive and child health approach in India.
भारत में पुन:उत्पादन एवं शिशु स्वास्थ्य उपागमों के अधीन उपलब्ध विभिन्न सेवाओं पर व्याख्या कीजिए ।

SECTION – II
खंड – II

Note : This section contains **three (3)** questions from each of the electives/specializations. The candidate has to choose only one elective/specialization and answer all the three questions from it. Each question carries **fifteen (15)** marks and is to be answered in about **three hundred (300)** words. **(3 × 15 = 45 Marks)**

नोट : इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई / विशेषज्ञता से **तीन** (3) प्रश्न हैं । अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई / विशेषज्ञता को चुनकर उसी के तीनों प्रश्नों का उत्तर देना है । प्रत्येक प्रश्न **पन्द्रह** (15) अंकों का है व उसका उत्तर लगभग **तीन सौ** (300) शब्दों में अपेक्षित है । **(3 × 15 = 45 अंक)**

Elective – I
विकल्प – I
(Techniques of Population Analysis)
(जनसंख्या विश्लेषण तकनीक)

3. Give a brief account of various sources for obtaining population data.
जनसंख्या सम्बन्धी आँकड़ों को प्राप्त करने के विभिन्न स्रोतों के बारे में संक्षिप्त विवरण लिखिए ।

4. Distinguish between GRR and NRR. What interpretation be made if the value of NRR is less than, more than or equal to unity ?
जी.आर.आर. और एन.आर.आर. के अन्तर को स्पष्ट कीजिए । यदि एन.आर.आर. इकाई से कम, इकाई से ज्यादा अथवा इकाई के बराबर है, तो इसका निर्वचन क्या होगा ?

5. Discuss any two methods for the construction of an abridged life table.
संक्षिप्त जीवन-सारिणी के निर्माण की किन्हीं दो विधियों का वर्णन कीजिए ।

OR / अथवा

Elective – II
विकल्प – II
(Population, Settlements and Human Ecology)
(जनसंख्या, व्यवस्था और मानव परिस्थिति-विज्ञान)

3. Discuss determinants and consequences of human migrations.
मानव-प्रवसन के कारकों और परिणामों की व्याख्या कीजिए ।

4. What are the methods of measuring centrality and hierarchy of settlements ?
बस्तियों की केंद्रीयता और सोपान-तन्त्र को मापने की विधि क्या हैं ?

5. Comment on the processes that shape human ecological systems.
मानव पारिस्थितिकी पद्धति को रूप देने वाली प्रक्रियाओं पर टिप्पणी कीजिए ।

OR / अथवा

Elective – III
विकल्प – III
(Population, Development and Environment)
(जनसंख्या, विकास और पर्यावरण)

3. 'Development is the best contraceptive.' Discuss.
'विकास अति उत्तम निरोधक है ।' इसकी व्याख्या कीजिए ।

4. Examine the relative impact of population and development on global warming with suitable examples.
वैश्विक उष्णता पर जनसंख्या और विकास के सापेक्ष प्रभाव का सोदाहरण परीक्षण कीजिए ।

5. Discuss the factors affecting air pollution and its effects on human life.
वायु-प्रदूषण के कारकों और मानव जीवन पर इसके दुष्प्रभाव की व्याख्या कीजिए ।

OR / अथवा

Elective – IV
विकल्प – IV
(Family Welfare Programme in India)
(भारत में परिवार कल्याण कार्यक्रम)

3. What do you understand by the term 'couple protection rate' ? Discuss variation in the couple protection rates among the major States of India. Also discuss some probable reasons for the variation.
'दम्पति सुरक्षा दर' से क्या अभिप्राय है ? भारत के प्रमुख राज्यों में दम्पति सुरक्षा दरों के अन्तर की चर्चा कीजिए । इन अंतरों के संभावित कारणों की व्याख्या कीजिए ।

4. Discuss role of Panchayati Raj institution in strengthening the family welfare programme in India.
भारत में परिवार कल्याण कार्यक्रम को सुदृढ़ करने में पंचायती राज्य संस्थाओं की भूमिका पर अपने विचार व्यक्त कीजिए ।

5. Discuss core strategies of the National Rural Health Mission and role of Accredited Social Health Activities (ASHA) in carrying out programme activities.
राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन की प्रमुख रणनीतियों और मान्य सामाजिक स्वास्थ्य वर्कर (आशा) की इस प्रोग्राम की क्रियाओं में भूमिका की चर्चा कीजिए ।

SECTION – III

खंड – III

Note : This section contains **nine (9)** questions of **ten (10)** marks, each to be answered in about **fifty (50)** words. **(9 × 10 = 90 marks)**

नोट : इस खंड में **दस-दस** (10-10) अंकों के **नौ** (9) प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **पचास** (50) शब्दों में अपेक्षित है । **(9 × 10 = 90 अंक)**

6. Discuss the changes in population size of India during 1951-2001 censuses.
भारत की जनसंख्या के आकार में 1951-2001 की जनगणना के दौरान आए परिवर्तनों पर अपने विचार व्यक्त कीजिए ।

7. State major goals of National Population Policy 2000.
राष्ट्रीय जनसंख्या नीति 2000 के प्रमुख लक्ष्यों को लिखिए ।

8. Mention any two population growth models and give their merits and demerits.
जनसंख्या के किन्हीं दो मॉडलों को लिखिए और उनके गुणों-अवगुणों की व्याख्या कीजिए ।

9. Define mobility and distinguish between incidence and prevalence rates.
गतिशीलता की परिभाषा दीजिए और संयोग और व्यापकता दरों में अन्तर कीजिए ।

10. What do you understand by the term the ‘year of Great Divide in the history of Indian census’ ? Also briefly discuss its consequences.
भारतीय जनगणना के इतिहास में ‘महान निर्णायक वर्ष’ से क्या अभिप्राय है ? इसके परिणामों की भी संक्षेप में व्याख्या कीजिए ।

11. Define and explain migration and mobility.
'प्रवसन' और 'गतिशीलता' की परिभाषा दीजिए और वर्णन कीजिए ।

12. Discuss land-use pattern in the concentric zone theory of C.W. Burgess.
सी.डब्ल्यू. बरगेस की संकेंद्रीय क्षेत्र सिद्धान्त के अनुसार भूमि-उपयोग पैटर्न की व्याख्या कीजिए ।

13. What are the implications of population growth on employment ?
रोजगार पर जनसंख्या विकास के क्या परिणाम होते हैं ?

14. What is the role of women empowerment on fertility ?
स्त्री सशक्तिकरण का प्रभाव उनके प्रजनन पर क्या होगा ?

SECTION – IV
खंड – IV

Note : This section contains **five (5)** questions of **five (5)** marks each based on the following passage. Each question should be answered in about **thirty (30)** words. **(5 × 5 = 25 marks)**

नोट : इस खंड में निम्नलिखित परिच्छेद पर आधारित **पाँच** (5) प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीस** (30) शब्दों में अपेक्षित है । प्रत्येक प्रश्न **पाँच** (5) अंकों का है । **(5 × 5 = 25 अंक)**

On 14^{th} August 1947, on the eve of India's independence, welcoming a democratic India, Jawaharlal Nehru's voice roared loud and clear over the radio, telling us about India's 'tryst with destiny'. 'The task ahead' included the 'ending of poverty and ignorance and disease and inequality of opportunity'.

Rather more than a century has passed since then, and it is not too soon to ask what came out of that 'tryst' with destiny, and of the 'tasks ahead'. The answer is not altogether simple. In line with Nehru's formulation, we can split the evaluation into three broad fields : (1) Practice of Democracy, (2) Removal of social inequality and backwardness, and (3) Achievement of economic progress and equity. We must also ask the successes and failures in these different fields, interconnect and relate to each other.

Democracy has survived. Systematic elections have continued to happen with regularity and reasonable fairness. Political parties have come into office after winning elections and have left after loosing them. The media has remained largely free and fair. Civil rights have been taken seriously. The military has stayed well inside the barracks. This is largely a story of success.

The second field that of social progress and equity has faired much worse than democracy itself, not quite an immeasurable failure but certainly a measurable underperformance. Educational progress has been remarkably uneven. In matters of literacy, education, expectation of life, health, though progress is made India still lags behind many of the Asian countries. Sharp rural-urban, male-female differences exist in the overall social progress made so far. Many rural residents, are still, far removed from decent medical attention. Inequalities between men and women in economic and social opportunities and even in health care, remain quite large.

What about the third field – that of economic progress ? India's economic expansion was particularly slow before the 1980's, especially in comparison with the spectacular performance of Asian economies further east. After the quickening of Indian economic growth from the 1980s, India has done comparatively better, not just in aggregate movement of the GNP and GDP but also in terms of reduction of income poverty. But still the 'Dream India' of the 'Tryst with Destiny' invocation has miles to go, before we witness it as a powerful and developed nation, a country where equity, equality and social justice are reflected in its practice of democracy, social progress and economic opportunity.

14 अगस्त 1947, भारत की स्वतन्त्रता की पूर्व संध्या को लोकतान्त्रिक भारत का अभिनन्दन करती हुई जवाहरलाल नेहरू की आवाज़ रेडियो पर स्पष्ट और ऊँचे स्वर से गूँजी और उन्होंने कहा कि 'यह भारत का नियति के साथ पूर्व निश्चित मिलन है । आगे के कार्यों में शामिल है : निर्धनता, अज्ञानता और बीमारी को खत्म करना तथा अवसरों की असमानता को भी मिटाना है ।'

अब उस बात को बीते हुए आधी शती से ज्यादा का समय हो गया है और ऐसा कहने में कोई उतावली भी नहीं की जा रही है कि 'नियति' से 'पूर्व निश्चित मिलन' का क्या हुआ और 'आगे के कार्यों' का क्या बना । इनका उत्तर नितान्त सामान्य नहीं है । नेहरू के सूत्रीकरण के अनुसार इस मूल्यांकन को तीन मोटे क्षेत्रों में विभक्त किया जा सकता है – (1) प्रयोग में लोकतन्त्र, (2) सामाजिक असमानता और पिछड़ेपन को दूर करना और (3) आर्थिक उन्नति और समानता (इक्विटी) को प्राप्त करना । हमें इन विभिन्न क्षेत्रों में अब तक की सफलताओं और विफलताओं को जानना होगा और उनमें पारस्परिक सम्बन्ध भी समझना होगा ।

लोकतन्त्र अस्तित्व में रहा है । निर्वाचन नियमितता और ढंग से हुए हैं और उनमें उचित निष्पक्षता बनी रही है । राजनीतिक दल निर्वाचन में जीत कर सत्ता में आते रहे हैं और पराजित होने पर सत्ता छोड़ते रहे हैं । मीडिया अधिकतर निष्पक्ष और स्वतन्त्र रहा है और नागरिकों के अधिकारों को गम्भीरता से लिया जाता रहा है । सेना अपने बैरकों में बनी रही है । यह तो है सफलता की कहानी ।

दूसरा क्षेत्र, जो सामाजिक उन्नति और समानता (इक्विटी) का है, उसमें हमारा काम, लोकतन्त्र से भी, बहुत कम रहा है । यह असफलता कोई अमाप्य नहीं है मगर इस दिशा में हमारा कार्य न्यून रहा है । शिक्षा में प्रगति बहुत ही असमतल रहा है । साक्षरता, शिक्षा, जीवन संभाव्यता स्वास्थ्य में यद्यपि उन्नति हुई है फिर भी भारत अब भी कई एशियाई देशों से इस दिशा में पीछे है । ग्राम-नगर का भारी अन्तर और स्त्री-पुरुष का फर्क अब तक की समूची सामाजिक उन्नति में दिखाई पड़ता है । अभी कई गाँववासी बढ़िया मेडिकल सुविधाओं से कोसों दूर हैं । आर्थिक एवं सामाजिक अवसरों में स्त्री-पुरुष की असमानता बनी हुई है और यही बात स्वास्थ्य सुरक्षा में भी है ।

तीसरे क्षेत्र, जिसका सम्बन्ध आर्थिक उन्नति से है, की क्या दशा है ? भारत का आर्थिक विकास विशेषतया 1980 के दशक तक धीमा रहा है, विशेष रूप से पूर्व के एशियाई देशों की शानदार उपलब्धियों की तुलना में । भारत के आर्थिक विकास को 1980 के दशक के बाद, तेज करने के बाद, भारत ने तुलनात्मक दृष्टि से आर्थिक क्षेत्र में अधिक उन्नति की है, जी एन पी और जी डी पी की सकल गति में ही नहीं, आय की निर्धनता को कम करने की दृष्टि से भी । मगर फिर भी 'नियति से पूर्व निश्चित मिलन' और 'सपनों के भारत' के आह्वान ने अभी कोसों चलना है, तब हम इसे सशक्त एवं विकसित राष्ट्र को देख सकेंगे – ऐसा राष्ट्र जिसमें इक्विटी, समानता और सामाजिक न्याय इसके लोकतन्त्र के प्रयोग, सामाजिक उन्नति और आर्थिक अवसरों में झलकेंगे ।

15. What is the focus on 'Tryst with Destiny' ?
'नियति से पूर्व निश्चित मिलन (ट्राइस्ट विद डेस्टिनी)' में लक्ष्य किस पर है ?

16. What has been India's experience in the practice of Democracy ?
भारत का व्यावहारिक लोकतन्त्र का अनुभव कैसा रहा है ?

17. How do you evaluate the social progress made since independence ?
स्वतन्त्रता के पश्चात हुई सामाजिक उन्नति का आप किस प्रकार मूल्यांकन करेंगे ?

18. How do you evaluate the achievement of economic progress and equity ?
आर्थिक उन्नति और इक्विटी की उपलब्धियों का मूल्यांकन कीजिए ।

19. Comment on 'Dream India'.
'ड्रीम इण्डिया' (सपनों का भारत) पर टिप्पणी दीजिए ।

Space For Rough Work

FOR OFFICE USE ONLY	
Marks Obtained	
Question Number	Marks Obtained
1	
2	
3	
4	
5	
6	
7	
8	
9	
10	
11	
12	
13	
14	
15	
16	
17	
18	
19	

Total Marks Obtained (in words) ....

(in figures) ....

Signature & Name of the Coordinator ....

(Evaluation) Date ....